



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Case Study: Utkarsh Small Finance Bank: Supporting the Spirit of Women Entrepreneurship

Region: Nagpur, Maharashtra

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	25.11.2020	Khabar	Nagpur
2.	27.11.2020	National Sandesh	Nagpur
3.	24.11.2020	Vidharbha Ki Baat	Nagpur
4.	23.11.2020	Yugdharm	Nagpur
5.	26.11.2020	Nagpur Post	Nagpur
6.	26.11.2020	Rashtraprakash	Nagpur
7.	22.11.2020	Mahasagar	Nagpur
8.	22.11.2020	Yuva Rashtra Darshan	Nagpur
9.	26.11.2020	Deshonnati	Nagpur
10.	26.11.2020	Tarun Bharat	Nagpur

Publication	Khabar
Edition	Nagpur
Date	25 th November, 2020
Page No.	06

उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँक: महिला उद्योजकांचा आधार

नागपूर : कल्पना ठाकरे नागपूर जिल्ह्यात वनडोंगरी इथल्या गजानन नगर वस्तीत राहते. ती, तिचा पती आणि दोन मुलं असं त्यांचं चौकोनी कुटुंब आहे. पती वेलिंडंग कामगार आहे आणि ती घर सांभाळते. अशा वातावरणात तिने गृहिणी ते यशस्वी उद्योजक असा जो प्रवास केला त्यातून इच्छा असेल तिथे मार्ग नक्की सापडतो याची साक्ष पटते.

हे कुटुंब अत्यंत हलाखीच्या परिस्थितीत होतं. तिच्या पतीच्या कमाईतून कुटुंबाच्या मूलभूत गरजही पूर्ण होत नसत आणि या आर्थिक स्थितीचा परिणाम मुलांचं शिक्षण थांबण्यात झाला होता. स्थिती आणखीच बिघडत गेली, आणि एके दिवशी कल्पनाच्या एका शेजारणीने तिची उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेच्या एका महिला अधिका-यांशी ओळख करून दिली. या अधिकारी महिलेने बँकेच्या सूक्ष्म वित्त कर्ज योजनांची कल्पनाला सविस्तर माहिती घेऊन तिने उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेकडून २०,००० रुपये कर्ज घेऊन तिने महिलांचे आणि मुलांचे कपडे शिवायची आणि दारोदार जाऊन ती

विकायची. हळूहळू तिची रोजची कमाई १०० - ३०० रुपये एवढी होऊ लागली. यातून तिचा आत्मविश्वास वाढला आणि तिने लवकरच आपलं पहिलं व्हिलं कर्ज फेडून टाकलं.

या उत्तम पार्श्वभूमीवर तिने दुसरं कर्ज ३०,००० रुपयांचं घेतलं,. यावेळी तिचा उद्देश होता पतीला स्वतःचा वेलिंडंग व्यवसाय सुरु करण्यासाठी मदत करण्याचा. वेलिंडंग च्या अनुभवाने सज्ज असलेल्या पतीने या कर्जाच्या पैशातून छोटा वेलिंडंग व्यवसाय चालू केला. कष्ट आणि निश्चयाच्या बळावर त्याने वेलिंडंग व्यवसाय यशस्वीपणे पुढे नेला आणि वर्कशाॅप मध्ये मदतीला चार कामगार आहेत. कल्पनाने मग हा वेलिंडंग व्यवसाय आणखी वाढवण्यासाठी १ लाख रुपयांचं कर्ज घेतलं. आज तिच्या आणि तिच्या पतीच्या कमाईवर घराची भरभराट झाली आहे आणि त्यांची मुलं नामवंत शिक्षणसंस्थांमध्ये उच्च शिक्षण घेत आहेत. आपले स्वप्न साकार करण्यात साह्य करणा-या उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेबद्दल कल्पनाच्या मनात कृतज्ञता आहे.

Publication	National Sandesh
Edition	Nagpur
Date	27 th November, 2020
Page No.	05

महिला उद्यमिता के जोश को सहयोग दे रहा उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक

नागपुर, 27 नवंबर. उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक महिला उद्यमिता के जोश को सहयोग दे रहा है. कल्पना ठाकरे नागपुर के वानाडोंगरी में गजानन नगर के छोटे से क्षेत्र से ताड़ुक रखती हैं. उनका चार सदस्यों का परिवार है, जहां वह पहले कुशल गृहिणी थीं और उनके पति एक वेल्डिंग मजदूर थे. लेकिन गृहिणी से सफल कारोबारी बनने का उनका यह सफर दिखाता है, जहां चाह है, वहां राह है. वर्ष 2014 तक उनका परिवार काफी खराब आर्थिक हालत में था. उनके पति की आय परिवार की मौलिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त थी. परिवार की बदतर आर्थिक स्थिति ने बच्चों की शिक्षा पर भी प्रभाव डाला. कल्पना की पड़ोसी ने उन्हें उत्कर्ष एसएफबी की महिला लोन ऑफिसर से मिलवाया. अफसर ने उन्हें माइक्रो फाइनेंस लोन ऑफर के बारे में अच्छी तरह समझाया. उन्होंने अपना कपड़ों का बिजनेस शुरू करने का फैसला किया और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक से 20 हजार रुपए का पहला कर्ज मिलने के बाद जल्दी ही उन्होंने अपने घर से अपना बिजनेस शुरू किया. वह डोर-टु-डोर जाकर महिलाओं और बच्चों की ड्रेसेज

की बिक्री करने लगीं. धीरे-धीरे इसमें उन्हें हर दिन 100 से 300 रुपए तक का शुद्ध मुनाफा मिलना शुरू हो गया. समय के साथ उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई और उन्होंने सफलतापूर्वक अपना पहला लोन चुका दिया. अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड होने से उन्होंने 30,000 रुपए का एक और लोन लिया. इस बार उन्होंने अपने पति का वेल्डिंग बिजनेस शुरू कराने के लिए कर्ज लिया. वेल्डिंग में अच्छा-खासा अनुभव होने के कारण उनके पति ने लोन की राशि से एक छोटी सी वेल्डिंग शॉप खोली. आज उनकी दुकान में चार कर्मचारी काम करते हैं. कल्पना ने भी अपने पति के वेल्डिंग बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए 100,000 रुपए का कर्ज लिया. आय के 2 स्रोत होने से उनका परिवार अब खुशराल जिंदगी जी रहा है और उनके बच्चों को प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में शिक्षा मिल रही है. कल्पना उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक की बेहद आभारी हैं, जिसने उनके सभी सपनों को पूरा करने में उनकी मदद की. वह भविष्य में भी लंबे समय तक उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक से पूरी तरह जुड़ी रहना चाहती हैं.

Publication	Vidharbha Ki Baat
Edition	Nagpur
Date	24 th November, 2020
Page No.	02

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक : महिला उद्यमिता के जोश को दे रहा है सहयोग

नागपुर। कल्पना ठाकरे नागपुर के वानडोंगरी में गजानन नगर के छोटे से क्षेत्र से ताल्लुक रखती हैं। उनका चार सदस्यों का परिवार है, जहां वह पहले कुशल गृहिणी थीं और उनके पति एक वेल्डिंग मजदूर थे। लेकिन गृहिणी से सफल कारोबारी बनने का उनका यह सफर दिखाता है, जहां चाह है, वहां राह है।

वर्ष 2014 तक उनका परिवार काफी खराब आर्थिक हालत में था। उनके पति की आय परिवार की मौलिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त थी। परिवार की बदतर आर्थिक स्थिति ने बच्चों की शिक्षा पर भी प्रभाव डाला। कल्पना की पड़ोसी ने उन्हें उत्कर्ष एसएफबी की महिला लोन ऑफिसर से मिलवाया। अफसर ने उन्हें माइक्रो फाइनेंस लोन ऑफर के बारे में अच्छी तरह समझाया। उन्होंने

अपना कपड़ों का बिजनेस शुरू करने का फैसला किया और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक से 20 हजार रुपये के पहले कर्ज मिलने के बाद जल्दी ही उन्होंने अपने घर से अपना बिजनेस शुरू किया। वह डोर-टु-डोर जाकर महिलाओं और बच्चों की ड्रेसेज की बिक्री करने लगीं। धीरे-धीरे इसमें उन्हें हर दिन 100 से 300 रुपये तक का शुद्ध मुनाफा मिलना शुरू हो गया। समय के साथ उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई और उन्होंने सफलतापूर्वक अपना पहला लोन चुका दिया। अच्छा ट्रैक रेकॉर्ड होने से उन्होंने 30,000 रुपये का एक और लोन लिया। इस बार उन्होंने अपने पति का वेल्डिंग बिजनेस शुरू कराने के लिए कर्ज लिया। वेल्डिंग में अच्छा-खासा अनुभव होने के कारण उनके पति ने लोन की राशि से एक छोटी सी वेल्डिंग शॉप खोली।

Publication	Yugdharma
Edition	Nagpur
Date	23 th November, 2020
Page No.	07

महिला उद्यमियों का सहयोगी उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक

नागपुर। कल्पना ठाकरे नागपुर के वानडोंगरी में गजानन नगर के छोटे से क्षेत्र से ताल्लुक रखती हैं। उनका चार सदस्यों का परिवार है, जहां वह पहले कुशल गृहिणी थीं और उनके पति एक वेलिडिंग मजदूर थे। लेकिन गृहिणी से सफल कारोबारी बनने का उनका यह सफर दिखाता है, जहां चाह है, वहां राह है। वर्ष २०१४ तक उनका परिवार काफी खराब आर्थिक हालत में था। उनके पति की आय परिवार की मौलिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त थी। परिवार की बदतर आर्थिक स्थिति ने बच्चों की शिक्षा पर भी प्रभाव डाला।

कल्पना की पड़ोसी ने उन्हें उत्कर्ष एसएफबी की महिला लोन ऑफिसर से

मिलवाया। अफसर ने उन्हें माइक्रो फाइनेंस लोन ऑफर के बारे में अच्छी तरह समझाया। उन्होंने अपना कपड़ों का बिजनेस शुरू करने का फैसला किया और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक से २० हजार रुपये के पहले कर्ज मिलने के बाद जल्दी ही उन्होंने अपने घर से अपना बिजनेस शुरू किया। वह डोर-टु-डोर जाकर महिलाओं और बच्चों की ड्रेसिंज की बिक्री करने लगीं। धीरे-धीरे इसमें उन्हें हर दिन १०० से ३०० रुपये तक का शुद्ध मुनाफा मिलना शुरू हो गया। समय के साथ उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई और उन्होंने सफलतापूर्वक अपना पहला लोन चुका दिया। अच्छा ट्रैक रेकॉर्ड होने से उन्होंने ३०,००० रुपये का एक और लोन

लिया। इस बार उन्होंने अपने पति का वेलिडिंग बिजनेस शुरू कराने के लिए कर्ज लिया। वेलिडिंग में अच्छा-खासा अनुभव होने के कारण उनके पति ने लोन की राशि से एक छोटी सी वेलिडिंग शॉप खोली। आज उनकी दुकान में चार कर्मचारी काम करते हैं। कल्पना ने भी अपने पति के वेलिडिंग बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए १००,००० रुपये का कर्ज लिया। आय के २ स्रोत होने से उनका परिवार अब खुशहाल जिंदगी जी रहा है और उनके बच्चों को प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में शिक्षा मिल रही है। कल्पना उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक की बेहद आभारी हैं, जिसने उनके सभी सपनों को पूरा करने में उनकी मदद की।

Publication	Nagpur Post
Edition	Nagpur
Date	26 th November, 2020
Page No.	07

Utkarsh Small Finance Bank: Supporting the Spirit of Women Entrepreneurship

Nagpur, 25 November 2020 : Kalpana Thackeray belongs to a small locality of Gajanan Nagar, in Wanadongri, Nagpur. In a family of four, she was a homemaker, and her husband was a welding labourer. Her journey from a homemaker to a successful entrepreneur shows, 'Where there is a will, there is a way'. Until 2014, the family was living in a deplorable condition. The income of her husband was insufficient to provide basics to the family, which also impacted the education of their children due to their financial situation. Their situation was deteriorating by the day until they were introduced to Utkarsh Small Finance Bank.

Publication	Rashtraprakash
Edition	Nagpur
Date	26 th November, 2020
Page No.	05

‘उत्कर्ष’ महिला उद्यमिता के जोश को दे रहा है सहयोग

नागपुर, राप्र संवादक

कल्पना ठाकरे नागपुर के वानडोंगरी में गजानन नगर के छोटे से क्षेत्र से ताल्लुक रखती हैं। उनका चार सदस्यों का परिवार है, जहां वह पहले कुशल गृहिणी थीं और उनके पति एक वेल्डिंग मजदूर थे। लेकिन गृहिणी से सफल कारोबारी बनने का उनका यह सफर दिखाता है, जहां चाह है, वहां राह है। वर्ष 2014 तक उनका परिवार काफी खराब आर्थिक हालत में था। उनके पति की आय परिवार की मौलिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त थी। परिवार की बदतर आर्थिक स्थिति ने बच्चों की शिक्षा पर भी प्रभाव डाला। कल्पना की पड़ोसी ने उन्हें उत्कर्ष एसएफबी की महिला लोन ऑफिसर से मिलवाया। अफसर ने उन्हें माइक्रो फाइनेंस लोन ऑफर के

बारे में अच्छी तरह समझाया। उन्होंने अपना कपड़ों का बिजनेस शुरू करने का फैसला किया और उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक से 20 हजार रुपये के पहले कर्ज मिलने के बाद जल्दी ही उन्होंने अपने घर से अपना बिजनेस शुरू किया। वह डोर-टु-डोर जाकर महिलाओं और बच्चों की ड्रेसेज की बिक्री करने लगीं। धीरे-धीरे इसमें उन्हें हर दिन 100 से 300 रुपये तक का शुद्ध मुनाफा मिलना शुरू हो गया। समय के साथ उनके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई और उन्होंने सफलतापूर्वक अपना पहला लोन चुका दिया। अच्छा ट्रैक रेकॉर्ड होने से उन्होंने 30,000 रुपये का एक और लोन लिया। इस बार उन्होंने अपने पति का वेल्डिंग बिजनेस शुरू कराने के लिए कर्ज लिया।

Publication	Mahasagar
Edition	Nagpur
Date	22 nd November, 2020
Page No.	04

उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँक : महिला उद्योजकांचा आधार

नागपूर, २१ नोव्हेंबर : कल्पना ठाकरे नागपूर जिल्ह्यात वनडोंगरी इथल्या गजानन नगर वस्तीत राहते. ती, तिचा पती आणि दोन मुलं असं त्यांचं चौकोनी कुटुंब आहे. पती वेलिंडिंग कामगार आहे आणि ती घर सांभाळते. अशा वातावरणात तिने गृहिणी ते यशस्वी उद्योजक असा जो प्रवास केला त्यातून इच्छा असेल तिथे मार्ग नक्की सापडतो याची साक्ष पटते.

हे कुटुंब अत्यंत हलाखीच्या परिस्थितीत होतं. तिच्या पतीच्या कमाईतून कुटुंबाच्या मूलभूत गरजही पूर्ण होत नसत आणि या आर्थिक स्थितीचा परिणाम मुलांचं शिक्षण थांबण्यात झाला होता. स्थिती आणखीच बिघडत गेली, आणि एके दिवशी

कल्पनाच्या एका शेजारणीने तिची उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेच्या एका महिला अधिका-यांशी ओळख करून दिली. या अधिकारी महिलेने बँकेच्या सूक्ष्म वित्त कर्ज योजनांची कल्पनाला सविस्तर माहिती घेऊन तिने उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेकडून २०,००० रुपये कर्ज घेऊन तिने महिलांचे आणि मुलांचे कपडे शिवायची आणि दारोदार जाऊन ती विकायची. हळूहळू

तिची रोजची कमाई १००-३०० रुपये एवढी होऊ लागली. यातून तिचा आत्मविश्वास वाढला आणि तिने लवकरच आपलं पहिलं व्हिलं कर्ज फेडून टाकलं.

या उत्तम पार्श्वभूमीवर तिने दुसरं कर्ज ३०,००० रुपयांचं घेतलं. यावेळी तिचा उद्देश होता पतीला स्वतःचा वेलिंडिंग व्यवसाय सुरु करण्यासाठी मदत करण्याचा. वेलिंडिंग च्या अनुभवाने सज्ज असलेल्या पतीने या कर्जाच्या पैशातून छोटा वेलिंडिंग व्यवसाय चालू केला.

कष्ट आणि निश्चयाच्या बळावर त्याने वेलिंडिंग व्यवसाय यशस्वीपणे पुढे नेला आणि वर्कशॉप मध्ये मदतीला चार कामगार आहेत. कल्पनेने मग हा वेलिंडिंग व्यवसाय आणखी वाढवण्यासाठी १ लाख रुपयांचं कर्ज घेतलं.

आज तिच्या आणि तिच्या पतीच्या कमाईवर घराची भरभराट झाली आहे आणि त्यांची मुलं नामवंत शिक्षणसंस्थांमध्ये उच्च शिक्षण घेत आहेत.

आपले स्वप्न साकार करण्यात साह्य करणा-या उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेबद्दल कल्पनाच्या मनात कृतज्ञता आहे. बँकेबरोबरचे संबंध असेच दीर्घ आणि पक्के व्हावेत अशी तिची मनीषा आहे.

Publication	Yuva Rashtra Darshan
Edition	Nagpur
Date	22 nd November, 2020
Page No.	08

उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँक : महिला उद्योजकांचा आधार

नागपूर, २१ नोव्हेंबर: कल्पना ठाकरे नागपूर जिल्ह्यात वनडॉगरी इथल्या गजानन नगर वस्तीत राहते. ती, तिचा पती आणि दोन मुलं असं त्यांचं चौकोनी कुटुंब आहे. पती वेलिंडिंग कामगार आहे आणि ती घर सांभाळते. अशा वातावरणात तिने गृहिणी ते यशस्वी उद्योजक असा जो प्रवास केला त्यातून इच्छा असेल तिथे मार्ग नक्की सापडतो याची साक्ष पटते.

हे कुटुंब अत्यंत हलाखीच्या परिस्थितीत होतं. तिच्या पतीच्या कमाईतून कुटुंबाच्या मूलभूत गरजही पूर्ण होत नसत आणि या आर्थिक स्थितीचा परिणाम मुलांचं शिक्षण थांबण्यात झाला होता. स्थिती आणखीच बिघडत गेली, आणि एके दिवशी

कल्पनाच्या एका शेजारणीने तिची उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेच्या एका महिला अधिका-यांशी ओळख करून दिली. या अधिकारी महिलेने बँकेच्या सूक्ष्म वित्त कर्ज योजनांची कल्पनाला सविस्तर माहिती घेऊन तिने उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेकडून २०,००० रुपये कर्ज घेऊन तिने महिलांचे आणि मुलांचे कपडे शिवायची आणि दारोदार जाऊन ती विकायची. हळूहळू

तिची रोजची कमाई १,००-३०० रुपये एवढी होऊ लागली. यातून तिचा आत्मविश्वास वाढला आणि तिने लवकरच आपलं पहिलं वहीलं कर्ज फेडून टाकलं.

या उत्तम पार्श्वभूमीवर तिने दुसरं कर्ज ३०,००० रुपयांचं घेतलं. यावेळी तिचा उद्देश होता पतीला स्वतःचा वेलिंडिंग व्यवसाय सुरु करण्यासाठी मदत करण्याचा. वेलिंडिंगच्या अनुभवाने सज्ज असलेल्या पतीने या कर्जाच्या पैशातून छोटा वेलिंडिंग व्यवसाय चालू केला.

कष्ट आणि निश्चयाच्या बळावर त्याने वेलिंडिंग व्यवसाय यशस्वीपणे पुढे नेला आणि वर्कशॉप मध्ये मदतीला चार कामगार आहेत. कल्पनाने मग हा वेलिंडिंग व्यवसाय आणखी वाढवण्यासाठी १ लाख रुपयांचं कर्ज घेतलं. आज तिच्या आणि तिच्या पतीच्या कमाईवर घराची भरभराट झाली आहे आणि त्यांची मुलं नामवंत शिक्षणसंस्थांमध्ये उच्च शिक्षण घेत आहेत.

आपले स्वप्न साकार करण्यात साहाय्य करणा-य उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेबद्दल कल्पनाच्या मनात कृतज्ञता आहे. बँकेबरोबरचे संबंध असेच दीर्घ आणि पक्के व्हावेत अशी तिची मनीषा आहे.

Publication	Deshonnati
Edition	Nagpur
Date	26 th November, 2020
Page No.	02

उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँक; महिला उद्योजकांचा आधार

नागपूर : कल्पना ठाकरे या गृहिणी नागपूर जिल्ह्यातील वानाडोंगरी इथल्या गजानन नगर वस्तीत राहतात. कल्पना त्यांचे पती, आणि दोन मुलं असे त्यांचे छोटेखानी कुटुंब आहे. पती वेलिंडंग कामगार आणि ती घर सांभाळते. अशा वातावरणात तिने गृहिणी ते यशस्वी उद्योजक असा जो प्रवास केला त्यातून इच्छा असेल तिचे मार्ग नक्की सापडतो याची साक्ष पटते.

हे कुटुंब अत्यंत हलाखीच्या परिस्थितीत होतं. तिच्या पतीच्या कमाईतून कुटुंबाच्या मूलभूत गरजाही पूर्ण होत नव्हत्या. या आर्थिक स्थितीचा परिणाम मुलांचे शिक्षण थांबविण्यात झाला. यामुळे स्थिती आणखीच बिघडत गेली. एके दिवशी कल्पनाच्या एका शेजारणीने तिची उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेच्या एका महिला अधिकाऱ्याशी ओळख करून दिली. या अधिकारी महिलेने बँकेच्या सूक्ष्म वित्त कर्ज योजनांची कल्पनाला सविस्तर माहिती घेऊन तिने उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेकडून २० हजार रुपये घेऊन ती महिलांचे आणि मुलांचे कपडे शिवायची आणि दारोदार जाऊन ती

विकायची. हळूहळू तिची कमाई १०० ते ३०० रुपये रोज एवढी होऊ लागली. यातून तिचा आत्मविश्वास वाढला आणि तिने लवकरच आपलं पहिलं व्हिलं कर्ज फेडून टाकलं. साहजिकच नव्या उमेदीतून तिने दुसरं कर्ज ३० हजार रुपयांचे घेतले. यावेळी तिचा उद्देश होता पतीला स्वतःचा वेलिंडंग व्यवसाय सुरू करण्यासाठी मदत करण्याचा. वेलिंडंगच्या अनुभवाने सज्ज असलेल्या पतीने या कर्जाच्या पैशातून छोटा वेलिंडंग व्यवसाय चालू केला.

कष्ट आणि निश्चयाच्या बळावर त्याने वेलिंडंग व्यवसाय यशस्वीपणे पुढे नेला. आज वर्कशॉपमध्ये मदतीला चार कामगार आहेत. कल्पनाने मग हा वेलिंडंग व्यवसाय आणखी वाढवण्यासाठी एक लाख रुपयांचे कर्ज घेतले. आज तिच्या आणि तिच्या पतीच्या कमाईवर घराची भरभराट झाली आहे आणि त्यांची मुलं नामवंत शिक्षण संस्थांमध्ये उच्च शिक्षण घेत आहेत.

आपले स्वप्न साकार करण्यात साह्य करणाऱ्या उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेबद्दल कल्पनाच्या मनात कृतज्ञता आहे. बँकेबरोबर संबंध असेच दीर्घकालीन व दृढ व्हावेत अशी तिची मनीषा आहे.

Publication	Tarun Bharat
Edition	Nagpur
Date	26 th November, 2020
Page No.	05

उत्कर्ष बँक : महिला उद्योजकांचा आधार

कल्पना ठाकरे नागपूर जिल्ह्यात वनडोंगरी इथल्या गजानननगर वस्तीत राहते. ती, तिचा पती आणि दोन मुलं असं त्यांचं चौकोनी कुटुंब आहे. पती वेलिंडिंग कामगार आहे आणि ती घर सांभाळते. तिच्या पतीच्या कमाईतून कुटुंबाच्या मूलभूत गरजही पूर्ण होत नसत आणि या आर्थिक स्थितीचा परिणाम मुलांचं शिक्षण थांबण्यात झाला होता. स्थिती आणखीच बिघडत गेली, आणि एके दिवशी कल्पनाच्या एका शेजारणीने तिची उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेच्या एका महिला अधिकाऱ्याशी ओळख करून दिली. या अधिकारी महिलेने बँकेच्या सूक्ष्म वित्त कर्ज योजनांची कल्पनाला सविस्तर माहिती दिली. तिने उत्कर्ष स्मॉल फायनान्स बँकेकडून २०,००० रुपये कर्ज घेतले नि महिला व मुलांचे कपडे शिवून दारोदार विकू लागली. हळूहळू तिची रोजची कमाई १०० - ३०० रुपये एवढी होऊ लागली. यातून तिचा आत्मविश्वास वाढला आणि तिने लवकरच आपलं पहिलं व्हिलं कर्ज फेडून टाकलं. या उत्तम पार्श्वभूमीवर तिने दुसरं कर्ज ३०,००० रुपयांचं घेतलं. यावेळी तिचा उद्देश होता पतीला स्वतःचा वेलिंडिंग व्यवसाय सुरू करण्यासाठी मदत करण्याचा. वेलिंडिंगच्या अनुभवाने सज्ज असलेल्या पतीने या कर्जाच्या पैशातून छोटा वेलिंडिंग व्यवसाय चालू केला. कष्ट आणि निश्चयाच्या बळावर त्याने वेलिंडिंग व्यवसाय यशस्वीपणे पुढे नेला. वर्कशॉपमध्ये मदतीला चार कामगार आहेत. कल्पनाने मग हा वेलिंडिंग व्यवसाय आणखी वाढवण्यासाठी १ लाख रुपयांचं कर्ज घेतलं. आज तिच्या आणि तिच्या पतीच्या कमाईवर घराची भरभराट झाली आहे